

असाधारएा **EXTRAORDINARY**

भाग II—खण्ड 3—उप-**खण्ड** (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशिक PUBLISHED BY AUTHORITY



सं• 346] No. 3461

मई किल्ली, गुक्रमार, जून 30, 1989/आवाद 9, 1911 NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 30, 1989/ASAD HA 9, 1911

इस भाग में भिन्न पूछ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकासन की रूप मे रक्षा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

प्रधिसूचनाएँ

नई दिल्ली, 30 जन 1989

5/89-असर्देशीय विमान यात्रा कर

सा का कि 681(अ) --- रेन्द्रीय सरधार वित मधिनियम, 1959 (1989 का 13) की घारा 44 द्वारा अवस गावितयों का प्रयोग करने हर यह समाधान हो जाने पर नि ऐसा करना प्राथम्यक और समीजीन है, का अधिनियम की धारा 42 की उपधारा (1) के प्रधीन उद्ग्रहण व अभवत अरार्देशीय विमान याला कर के मदाय से नीचे सारणी के रहारण (2) में चिनिर्विष्ट प्रवर्ग में यान्नियों को, उचन सारणी क रमम्भ (3) म की तरस्थानी प्रक्षिण्ट में विनिर्विष्ट भार्तों के प्रक्षीन रहते दूध एट देती है।

म।रणी

यः वियो ६ प्रवर्ग क्म सं (2)(9)

ा राजनिधिक प्रास्थिति धारणकरने बार्स भारत से राजनियक भिश्रनो के सदस्य और उनके कुटम्ब

भारत में राजनिधिक प्रधान का या उन्हें द्वारा हम निमित्त प्राधिकत रिसी प्रधि-कारी का इस आधान का एक किया जाना नि यात्री राजनियम प्रास्थिति उपभाग करना है या राजननिक प्राक्षियीत का उपभाग भारत विशे अधिकारी क्ष्रमञ्जूषा एभः स्वस्य 31

अभारत मं विवेशी कोस ने ट के लैरि- भारत म विवेश, सांभलाय पद के थर व जिलीय प्रधिकारी

प्रधान का या उन्हें हारा इप निकल